

युद्ध विराम से उद्यमियों को राहत, 2100 करोड़ के निर्यात को मिल सकेगी रफ्तार

250 से अधिक निर्यातक और पांच हजार से अधिक एमएसएमई इकाइयों के संचालकों को मिली राहत

अमर उजाला ब्यूरो

अलीगढ़। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध विराम की खबर ने अलीगढ़ के औद्योगिक जगत में भी खुशी की लहर दौड़ा दी है। इस खबर से जिले के 250 से अधिक निर्यातक और पांच हजार से अधिक एमएसएमई इकाइयों के संचालकों ने राहत की सांस ली है। संकट के चलते निर्यातकों व उद्यमियों के फंसे करीब 2100 करोड़ रुपये के माल व ऑर्डर की राह सुगम होने की उम्मीद है।

पिछले कुछ समय से पश्चिम एशिया में जारी अस्थिरता के कारण अलीगढ़ का निर्यात कारोबार बुरी तरह

करोड़ों का कारोबार हुआ था प्रभावित

■ मार्च की शुरुआत में तनाव बढ़ने के बाद अलीगढ़ के प्रमुख उद्योगों पर सीधी मार पड़ी थी। मीट निर्यात का ही करीब 1500 करोड़ का कारोबार प्रभावित हुआ। इसके अलावा हार्डवेयर व अन्य उत्पाद का भी लगभग 600 करोड़ रुपये का निर्यात संकट में रहा। समुद्री मार्ग पर असुरक्षा के कारण माल की आवाजाही में भारी बाधा आ रही थी।

प्रभावित था। अलीगढ़ के कई उद्यमी संयुक्त अरब अमीरात में अपना कार्यालय खोलने की योजना बना रहे थे, जो युद्ध के चलते लटक गई थी।

व्यापारिक मार्ग खुलने की उम्मीद

■ उद्यमियों का मानना है कि युद्ध विराम के बाद कंटेनरों की उपलब्धता बढ़ेगी और भाड़े में भी कमी आने की संभावना है। इससे अलीगढ़ के ताले, हार्डवेयर और मीट उद्योग को अंतरराष्ट्रीय बाजार में फिर से पुरानी रफ्तार पकड़ने में मदद मिलेगी।

अब युद्ध विराम के बाद माना जा रहा है कि सप्लाई चेन (आपूर्ति शृंखला) फिर से बहाल होगी और रुकी हुई व्यापारिक योजनाएं परवान चढ़ेंगी।

युद्ध विराम होने से निश्चित रूप से कारोबारी हालातों में सुधार आएगा। समुद्री मार्ग पर जो समस्याएं आ रही थीं, वे अब हल होंगी, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में माल की आवाजाही सुगम और सुरक्षित हो सकेगी। -आलोक झा, अध्यक्ष (इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन)



भारत सरकार ने जिस कुशलता से वैश्विक परिस्थितियों का सामना किया, तेल के दाम स्थिर रखे और आपूर्ति बाधित नहीं होने दी, वह सराहनीय है। नई स्थितियों में अब कारोबारी हालात तेजी से सुधरेंगे।

-आशुतोष वाष्णीय, अध्यक्ष (अलीगढ़ निर्यात एसोसिएशन)